

पाठ योजना – 6

शिक्षक आकलन योजना

विषय – गणित

कक्षा – 3

टर्म – II

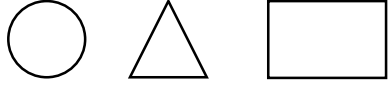
पाठ/अवधारणा/थीम/घटक – 8 अलग-अलग आकृतियां

दिनांक से तक

समूह 1 के बच्चों के रोल नम्बर :-	समूह 2 के बच्चों के रोल नम्बर :-	
सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :- 1. आकृति के आधार पर वर्गीकरण करना। 2. आकृतियों के किनारे व कोने पहचानना।		
सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियां (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत)	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव (बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
<p>समूहिक कार्य :- शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर गोलाकार, तिकानी व चौकोर आकृतियाँ छांटना। विभिन्न घरेलु वस्तुओं का उदाहरण देकर उनका आकृति अनुसार वर्गीकरण करना। डिब्बे के 8 कोने, 12 किनारे व 6 तलों से परिचय करवाना व आकृतियां बनवाकर किनारे व कोने गिनवाना।</p> <p>उपसमूह कार्य :- पुस्तक में दिए गए चित्रों व आकृतियों से गोलाकार, तिकोनी व चौकोर आकृतियां छांटना व भुजाएं/किनारे व कोने गिनना सिखाया जाएगा।</p> <p>व्यक्तिगत कार्य :- प्रत्येक छात्र से श्यामपट्ट पर बने चित्रों का वर्गीकरण करवाना व अभ्यास कार्य देना और आकृतियों संबंधी मौखिक प्रश्नोत्तर करना।</p>	<p>छात्रों द्वारा देखकर व सुनकर समझने का आकलन करना।</p> <p>छात्रों द्वारा किए गए कार्य का आकलन करना।</p>	साप्ताहिक से तक

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :-

गोलाकार, त्रिकोणी व चौकोर आकृतियों व वस्तुओं की पहचान करवाना।



समूह 2 के लिए शिक्षण उद्देश्य :-

1. गोलाकार, त्रिकोणी व चौकोर आकृतियां पहचानना।
2. किनारे व कोने पहचानकर गिनना।

समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक, उपसमूह, व्यक्तिगत) :-

सामूहिक कार्य :- शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर रोटी, पापड़, चूड़ी, समोसा, परांठा, लिफाफा व श्यामपट्ट का चित्र बनाकर वर्गीकरण करना समझाया जाएगा।

उपसमूह कार्य :- छात्रों को पुस्तक में दिए गए चित्रों के आधार पर अभ्यास करवाकर आकृतियों की समझ बढ़ाना।

व्यक्तिगत कार्य :- प्रत्येक छात्र से श्यामपट्ट पर आकृतियां बनवाकर अभ्यास कार्य देना।

पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि :-

1. छात्र गोलाकार, त्रिकोणी व चौकोर वस्तुओं को अलग-अलग कर सकते हैं।
2. छात्र किनारे व कोने गिन सकते हैं।

छात्रों द्वारा किए गए कार्य का आकलन करना।

पाक्षिक
से तक

छात्रों द्वारा चित्रों की समझ का आकलन करना।

संस्था प्रधान का अभिमत :-